Roll No. : .....

Total No. of Questions : **13**] [Total No. of Printed Pages : **4**

ED–1051

B.A./B.Sc./B.Ed. (Ist Year) Examination, 2022

GENERAL HINDI

Paper - GC-1

*Time : **3** Hours*] [*Maximum Marks : **100***

खण्ड–अ

1. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

दृढ़-दु:ख दावानल इसे सब ओर घेर जला रहा,
जिस पर अदृष्टाकाश उलटा विपद-वज्र चला रहा।
यद्यपि बुझा सकता हमारा नेत्र-जल इस आग को,
पर धिक! हमारे स्वार्थमय सूखे हुए अनुराग को॥
जो इस विषय पर आज कुछ कहने चले हैं हम यहाँ
क्या कुछ सजग होंगे सखे। उसको सुनेंगे जो जहाँ ?
कवि के कठिनतर कर्म की करते नहीं हम धृष्टता ?

अथवा

ओ, मौन तपस्या में लीन यति!
पल-भर को तो कर दृगोन्मेष!
रे ज्वालाओं से दग्ध, विकल!
है तड़प रहा पद पर स्वदेश!
सुखसिंधु पंचनद, ब्रह्मपुत्र,

गंगा, यमुना की अमिट-धार
जिस पुण्य भूमि की ओर बही
तेरी विगलित करुणा उदार,
जिसके द्वारों पर खड़ा क्रान्त
सीमापति! तूने की पुकार,
पद-दलित इसे करना पीछे
पहले ले मेरा सिर उतार।
उस पुण्यभूमि पर आज तपी!
रे आन पड़ा संकट कराल,
व्याकुल तेरे सुत तड़प रहे,
डँस रहे चतुर्दिक विविध ब्याल। 10

2. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए (उत्तर-सीमा **200** शब्द)।

''यद्यपि यह बात सर्वथा सत्य नहीं है तथापि बाह्य स्वच्छता अपना प्रभाव डाले बिना नहीं रहती है। किन्तु सफाई और सजावट को लिफाफियापन का पर्याय न बना देना चाहिए। दुकान की भव्यता के अनुकूल सामान की सुसम्पन्नता भी वांछनीय है। आजकल विशेषीकरण के जमाने में सर्वतोमुखी सम्पन्नता तो कठिन है किन्तु अपने विशेष क्षेत्र की यथासम्भव पूर्णता वांछनीय है।''

अथवा

''हमारी शास्त्रीय परम्परा इस विषमता का कारण मनुष्य को ही मानती है। मनुष्य ही अपनी सद् और असद् इच्छाओं के द्वारा सद् और असद् वाणी-व्यवहार के द्वारा एवं सद् और असद् कर्मों के द्वारा पर्यावरण को दूषित करता है और इसके स्तरों में असन्तुलन व विषमता पैदा करता है और फिर स्वयं और सामूहिक रूप से उसके विषम परिणामों को भोगता है। इन मूल तत्वों को ध्यान में रखते हुए मनुष्य को सबसे पहले अपने पारिवारिक एवं सामाजिक, सांस्कृतिक एवं आर्थिक, राजनैतिक एवं सामाजिक पर्यावरण को दूषित करने और उसका सन्तुलन बिगाड़ने से बचना चाहिए।'' 10

3. 'गंगा छवि' शीर्षक कविता का मूलभाव स्पष्ट करते हुए, इसके आधार पर गंगा के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

''निराला हिन्दी काव्य जगत में प्रथम प्रगतिवादी के रूप में है।'' इस कथन के आधार पर निराला काव्य में आए प्रगतिवादी तत्त्वों की समीक्षा कीजिए। 15

4. 'अस्ति की पुकार हिमालय' निबन्ध में व्यक्त विद्यानिवास मिश्र के विचारों को अपने शब्दों में लिखिए।

अथवा

'आवाज का नीलाम' एकांकी की कथावस्तु बताते हुए एकांकी की सफलता पर प्रकाश डालिए। 15

खण्ड–ब

5. निम्नलिखित शब्दों की वर्तनी शुद्ध कीजिए :

(i) निरोत्साह

(ii) कृतध्नी

(iii) जनियित्री

(iv) तदोपरान्त

(v) सश्रुसा 5

6. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कर पुनः लिखिए :

(i) मुझको उसके कई काम करने पड़ा।

(ii) मैं रमेश को फल लाता हूँ।

(iii) मैंने उसका गाना और रूप देखा।

(iv) श्री मती महादेवी वर्मा एक विद्वान् महिला है।

(v) आविष्कार आवश्यकता की जननी है। 5

7. अंग्रेजी शब्दों के हिन्दी समानार्थक शब्द लिखिए :

(i) Elected

(ii) Agenda

(iii) Security

(iv) Abolition

(v) Corporation 5

8. निम्नलिखित अवतरण का संक्षेपण कीजिए।

भारत की पर्वतीय सौन्दर्य अलौकिक है। उत्तर दिशा में दूर-दूर तक पर्वत शृंखलाएँ फैली हुई हैं। उनकी गगनचुम्बी चोटियों पर बादल मँडराते रहते हैं तथा बर्फ गिरती रहती है। विविध मौसम गर्मी, सर्दी, वर्षा एकसाथ चलते रहते हैं। झर-झर झरने प्रवाहित होते रहते हैं, नदियों के उद्‌गम स्रोतों की कल-कल ध्वनि गूँजती रहती है। विभिन्न उपयोगी जड़ी-बूटियाँ इस क्षेत्र में उपलब्ध हैं। अनेक जीव-जन्तु इस पर निवास करते हैं। ऋषि-मुनि वहीं पर एकान्त साधना में मग्न रहे हैं। इधर-उधर उगी हुई घास तथा देवदारु के

लम्बे-लम्बे पेड़ इस प्रदेश में हरोतिमा व्याप्त करते हैं। प्रातः एवं सायंकाल सूर्य पर्वत-शृंगों पर स्वर्णिम गुलाबी लाल रंग फैलाकर प्रकृति सुन्दरी को सजाता है। ओस की बूँदें उसे विविध अलंकार पहनाती हैं। यह सब देखकर ऐसा लगता है मानो इस रूप में ईश्वर ने अपनी सुरुचि का परिचय दिया है। 5

9. निम्नलिखित का पल्लवन कीजिए :

(i) उपाय और उद्यम सफलता के मूल हैं।

(ii) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान। 5

10. वाक्यांश के लिए एक सार्थक शब्द बताइए :

(i) जिसके आने की तिथि ज्ञात न हो।

(ii) जो सबसे आगे रहता हो।

(iii) जिसकी नाप-तौल न हो सके।

(iv) जो समझाने के अयोग्य हो अथवा जो समझा न जा सके।

(v) वह कवि जो तत्काल कविता करे। 5

11. निम्नलिखित युग्म शब्दों के अर्थगत अन्तर बताइए :

(i) अथक-अकथ

(ii) आदि-आदी

(iii) तरणी-तरणि

(iv) वारिद

(v) वारिधि 5

12. अपने क्षेत्र में नगरपालिका के स्वास्थ्य अधिकारी के नाम एक शिकायती-पत्र लिखिये जिसमें मुहल्ले की दिनों-दिन बिगड़ती हुई सफाई की व्यवस्था के सुधार की ओर ध्यान आकर्षित किया गया हो (उत्तर-सीमा **100** शब्द)। 5

13. किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए (उत्तर-सीमा **350** शब्द)।

(i) कम्प्यूटर : मशीनी मस्तिष्क

(ii) मेरे सपनों का भारत

(iii) पर्यावरण प्रदूषण की समस्या

(iv) मूल्य वृद्धि : कारण और निवारण

(v) मानव कल्याण और विज्ञान 10